



NURVI-02



SHUBH SHREE
 CREATION
 2008





2005





2004



ॐ कात्यावनी महामातै महायोगिनी श्रीं ।
 रन्द गोपसुतै देवि प्रति मे व
 ॐ मे शोकस्य सकल ज
 विदस माय पुरुषार्थ धार
 प्रति मे देहि कृ-क
 महत्तम धाम
 महत्तम पु
 हे गी
 ना क
 अद्वैतानि जगत्सु
 विवाह

ये द्वे सूर्यौ अजर बिहारी
 होतुं यही जो राम रच रामा
 को करे सरफ़ बढ़ाए सखा
 धीरज धरम मिल अरु नारी
 आपद काल परशिये चारी
 जेहि के जेहि पर सत्य सनेह
 सो जेहि मिलव न कछु सनेह
 जाकी रहो भावना जैसी
 प्रभु भूति देखी तिन तैसी
 हरि अनन्त हरि कथा अनन्त
 कहहि सुनिह बहुविधि दब सता
 रपूकल रीत सदा चली आई
 प्राण जाप पर खचन न जाई
 राम सिधा राम सिध राम
 जय जय राम

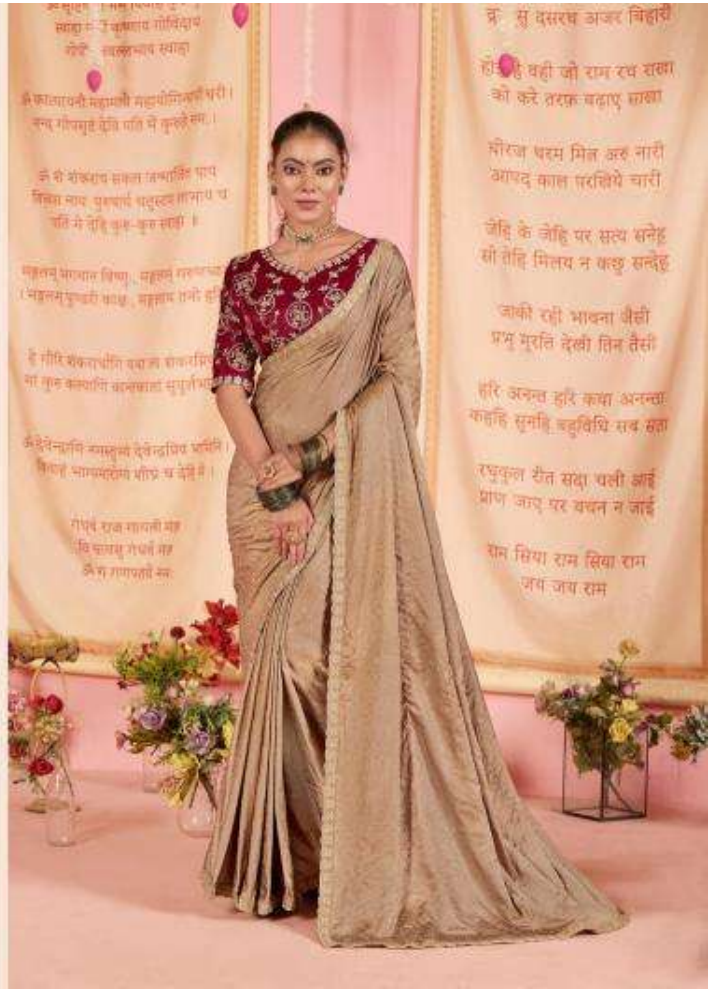








2001





ॐ श्री गणेशाय नमः
ॐ श्री लक्ष्मणाय नमः
ॐ श्री रामाय नमः
ॐ श्री श्री कृष्णाय नमः
ॐ श्री श्री हनुमताय नमः
ॐ श्री श्री गणेशाय नमः
ॐ श्री श्री लक्ष्मणाय नमः
ॐ श्री श्री रामाय नमः
ॐ श्री श्री कृष्णाय नमः
ॐ श्री श्री हनुमताय नमः





2001



2002



2003



2004



2005



2006